an>

Title: Need to take strict action against Bangladeshi and Pakistani nationals infiltrating into India.

श्री केशव प्रसाद मौर्य (फूलपुर): माननीय अध्यक्ष जी, आपने मुझे शून्य काल में बोलने का अवसर दिया, इसके लिए मैं आपका आभारी हूं। मैं भारत में आए बांग्लादेशी और पाकिस्तानी घुसपैठियों के विÂ◌ाय को सदन में उठाना चाहता हूं। मैं देश की चर्चा करने से पहले अपने लोकसभा क्षेत्र की चर्चा करूंगा। यहां बांग्लादेशी घुसपैठिए बड़ी संख्या में कुछ राजनैतिक दलों के नेताओं के संरक्षण के कारण जगह-जगह आकर बस गए हैं। इनका न तो इतिहास पता है और न भूगोल पता है लेकिन इनका नाम मतदाता सूची में दर्ज हो जाता है। इनके राशन कार्ड बन जाते हैं। मतदाता सूची में नाम दर्ज होने और राशन कार्ड बन जाने के बाद तमाम सरकारी सुविधाएं, जिनके वे हकदार नहीं हैं लेकिन इनको सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही है जबकि देश के गरीबों को ये सुविधाएं नहीं मिल पाती हैं। मेरे पास जो आंकड़े हैं, उसके हिसाब से पश्चिम बंगाल की 53, असम की 40 और लगभग बिहार की 30 विधानसभा सीट और भी ऐसे बहुत से विधानसभा क्षेत्र हैं जो बांग्लादेशी घुसपैठियों की भारी संख्या में उपस्थिति के कारण निर्णायक भूमिका में आ गए हैं। यह राÂ◌ट्रीय समस्या है। यह विÂ◌ाय लगातार संसद में उठता रहा है। बांग्लादेशी और पाकिस्तानी घुसपैठियों की पहचान का काम बहुत दिनों से अधूरा है।

मैं आपके माध्यम से सरकार से मांग करना चाहता हूं कि इनकी पहचान कराने का काम किया जाए। चाहे बिहार, पश्चिम बंगाल, असम का चुनाव हो, आने वाले समय में चुनाव से पहले घुसपैठियों की पहचान कराकर कम से कम मतदाता सूची से उनका नाम काटा जाना चाहिए। मैं आपके माध्यम से यह भी मांग करना चाहता हूं कि देश में राजनैतिक दल या नेता, जो घुसपैठियों को मतदाता या निवासी बनाकर वोट के लालच में गड़बड़ी करने वाले हैं, उनके लिए भी कुछ ऐसा प्रावधान किया जाना चाहिए। ...(व्यवधान) जिसमें कम से कम आजीवन कारावास हो।...(व्यवधान)

मैं यह बात इसलिए उठाना चाहता हूं क्योंकि मेरे भी लोक सभा क्षेत्र में कम से कम 40000 की संख्या में बंगलादेशी घुसपैठी मतदाता हैं और चाहे मुम्बई हो या दिल्ली हो, चाहे कोलकाता हो, पूरे देश के अंदर बंगलादेशी घुसपैठी पहुंच चुके हैं। मैं इन घुसपैठियों को निकालने की मांग करता हूं। वहां जो चुनाव अभी आने वाले हैं, चुनाव से पूर्व मैं सरकार से मांग करता हूं कि इनका मतदाता सूची से नाम कटवाकर इनको जो सुविधाएं मिल रही हैं, उन पर रोक लगाई जाए और जो राजनीतिक दल का नेता या कार्यकर्ता इसके लिए दोÂ◌ी◌ा पाया जाए, उसके लिए आजीवन कारावास का प्रावधान किया जाए, ऐसी मैं सदन के माध्यम से मांग करता हूं।

माननीय अध्यक्ष: श्री अरविंद सावंत, श्री श्रीरंग आप्पा बारणे, श्रीमती पूनम महाजन, कुमारी शोभा कारान्दलाजे, श्रीमती मीनाक्षी लेखी, श्री राजेन्द्र अग्रवाल, श्री गणेश सिंह, डा. संजय जायसवाल, डा. वीरेन्द्र कुमार, श्री निशिकांत दुबे, श्री भैरों प्रसाद मिश्र एवं श्री पी.पी.चौधरी को श्री केशव प्रसाद मौर्य द्वारा उठाए गए विÂ◌ाय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।